

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 208] नई दिल्ली, बुधवार, जून 10, 1981/ज्येष्ठ 20, 1903

No. 208] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 10, 1981/JYAIKTHA 20, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रहा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

कृति संशालय

(कृति और सहकारिता विभाग)

अधिकारिता

नई दिल्ली, 10 जून, 1981

सा. का. नि. 389 (अ).—कोट्रोटि सरकार भीज अधिनियम, 1966 (1966
का 54) वाली धारा 25 द्वारा प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग करते हुए, भीज नियम,
1968 का और संशोधन वरने के लिए नियमिति नियम बनाती है, अधोटः—

(1) इन नियमों का गंकिता नाम बीज (संशोधन) नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदत्त होगी ।

बीज नियम, 1968 के नियम 17 के पदचात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित
किया जाएगा, अर्थात् :—

'17-K. प्रमाणन अभिकरण, प्रमाण-पत्र देने से पूर्व, यह सुनिश्चित
करेंगा कि बीज, केंद्रीय बीज समिति द्वारा प्रतिशिष्ट और समय-समय पर
वाधासंबोधता 'भारतीय व्युत्पत्ति बीज प्रमाणन मानक' गामक नियंत्रिका में
अधिकृत भास्त्रों के अनुरूप है ।'

[सं. 18-48/81-एस. डी.]
आर. सी. गुरु, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th June, 1981

G.S.R. 389(E).—In exercise of the powers conferred by section 25 of the
Seeds Act, 1966 (54 of 1966), the Central Government hereby makes the
following rules further to amend the Seeds Rules, 1968, namely :—

- (1) These rules may be called the Seeds (Amendment) Rules, 1981.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the
Official Gazette.

After rule 17 of the Seeds Rules, 1968, the following rule shall be inserted,
namely :—

"17-A. The Certification agency shall, before granting the certificate,
ensure that the seed conforms to the standards laid down in the
Manual known as "Indian Minimum Seed Certification Standards"
published by the Central Seed Committee, as amended from time
to time."

[No. 18-48/81-SD]
R. C. GUPTA, Jt. Secy.